प्रतिदर्श प्रश्न पत्र –2025–2026

संस्कृत | विषय कोड– 103
कक्षा–12 | संकेतांक कोड– 303

समयः 3 घण्टे 15 मिनट | पूर्णांकः 100

1. निम्नलिखित गद्य–खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत में दीजिए। **10**

अत्रान्तरे कंचुकी समागत्य महाश्वेताम् अवोचत् ''आयुष्मति, देव चित्ररथः देवी च मदिरां त्वां द्रष्टुम आहयतः'' इति।

इत्येवम् अभिहिता गन्तुकामा महाश्वेता ''सखि चन्द्रापीडः क्वास्ताम्?'' इति कादम्बरीम अपृच्छत्। असौ तु ''सखि महाश्वेते, किमेवम् अभिदधासि? दर्शनादरभ्य शरीरस्याप्ययमेव प्रभुः किमुत भवनस्य विभवस्य परिजनस्य वायत्रास्मै रोचते प्रियसखीहृदयाय वा, तत्र अयम् आस्ताम्'' इत्यवदत्। तत् श्रुत्वा महाश्वेता ''तत् अत्रैव त्वत्प्रासादसमीपवर्तिनि प्रमदवने क्रीडापर्वतकर्मणिवेश्मनि आस्ताम्'' इत्यभिधाय गन्धर्वराजं द्रष्टुं ययौ। चन्द्रापीडोडपि तथैव सह निर्गत्य, केयूरकेण उपदिश्यमानमार्गः मणिमन्दिरम् अगात्।

(i) अस्य गद्यांशस्य प्रणेता कः?

(ii) कः समागत्य महाश्वेताम् अवोचत्?

(iii) देवः चित्ररथः देवी च मदिरा कां द्रष्टुम आह्वयतः?

(iv) ''त्वत्प्रासादसमीपवर्तिनि प्रमदवने क्रीडापर्वतकर्माणिवेश्मनि आस्ताम्'' रेखांकित अंश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(v) चन्द्रापीडः केन उपदिश्यमानमार्गः मणिमन्दिरम् अगात्?

अथवा

अधावतीर्य तुरगात् प्रविश्य भक्तिप्रवणेन चेतसा तां प्रणनाम। कृतप्रदक्षिणइच पुनः प्रणम्य, प्रशस्तदेवताद्देशदर्शन कुतूहलेन परिभ्रमन्, तं द्रविडधार्मिकम् अपश्यत्। न्यवारयच्च तेन सार्धम् प्रारब्धकलहान् उपहसतः स्वसैनिकान्। उपसान्त्वनैश्च कथमयि तं प्रशमम् उपनीय, क्रमेण जन्मभूमिम्, जातिम्, विद्याम्, कलत्रम, अपत्यानि, विभवम्, वयःप्रमाणम्, प्रवज्यायाः, कारणश्च स्वयमेव पप्रच्छ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पुस्तक एवं लेखक का नाम लिखिए?

(ii) चन्द्रापीडः कस्मात् अवतीर्य भक्तिप्रवणेन चेतसा कां प्रणनाम्?

(iii) 'कृतप्रदक्षिणश्च पुनः प्रणम्य' इस रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(iv) 'स्वसैनिकान्' शब्द में कौन सी विभक्ति एवं वचन है?

(v) 'कलत्रम' का शाब्दिक अर्थ क्या है?

2. अपनी पाठ्य–पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक पात्र का हिन्दी अथवा संस्कृत में चरित्र–चित्रण कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) **4**

(i) चन्द्रापीड

(ii) वैशम्पायन

(iii) कादम्बरी

3. ''वाणस्तु **पञ्चानन**:'' उक्ति पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। (अधिकतम 100 शब्द) **4**

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–

(अ) चन्द्रापीडस्य जनकः कः आसीत? **1**

(i)केयूरकः (ii)तारापीडः (iii)शुकनासः (iv)वैशम्पायनः

(आ) विदित सकलशास्त्रार्थः वैशम्पायनः किम् आसीत? **1**

(i)शुक : (ii)केयूरकः (iiiपुण्डरीकः (iv)शूद्रकः

5. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिएः **2+5=7**

(क) सत्वं मदीयेन शरीरवृत्तिं देहेन निर्वर्तयितुं प्रसीद।
दिनावसानोत्सुकबालवत्सा विसृज्यतां धेनुरियं महर्षेः।।

अथवा

तद्रक्ष कल्याणपरम्पराणां भोक्तारमूर्जस्वलमात्मदेहम्।
महीतलस्पर्शनमात्रभिन्नमृद्धं हि राज्यं पदमैन्द्रमाहुः।।

6. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ–सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए– **2+5=7**

(क) एकातयत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पस्य हेतोबहु हातुमिच्दन्विचारमूढः प्रतिभासि मे त्वम्।।

अथवा

(ख) पुरन्द्ररश्री पुरमुत्पताकं प्रविश्य पौरेरभिनन्द्यमानः।
भुजे भुजङगेन्द्रसमानसारे भूयः सद भूमेधुर्रमाससंज।।

7. महाकवि कालिदास की काव्यशैली को अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम 100 शब्द) **4**

8. अधोलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए? **1**

(अ) पुरषाधिराजः कः आसीत?

(i)दिलीपः (ii)अजः (iii)रघुः (iv)सर्वेः

(आ) महाराजदिलीपस्य भार्या का? **1**

(i)सुदक्षिणा (ii)भानुमती (iii)इन्दुमती (iv)सविता

9. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ–सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिएः **2+5=7**

(अ) संकल्पितं प्रथममेव मया तवार्थे
भर्तारमात्मसदृशं सुकृतैर्गता त्वम्।
चूतेन संश्रितवती नवमालिकेयम्
अस्यामहं त्वयि च सम्प्रति वीतचिन्तः।।

(आ) अस्मान् साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्यैः कुलं चात्मनस्त्वरयस्याः कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृति च ताम्।
सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृश्या त्वया
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद् वाच्यं वधूबन्धुभिः।।

10. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ–सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिएः **2+5=7**

(अ) न खलु धीमतां कश्चिदविषयो नाम।

(आ) अर्थो हि कन्या परकीव एव।
(इ) यान्त्येव गृहिणीपदं युवतयो वामा कुलस्याधयः।

11. ''अभिज्ञानशाकुन्तलम्'' के चतुर्थ अङ्क के आधार पर दुर्वासा के शाप का वर्णन संक्षेप में कीजिएः (अधिकतम 100 शब्द) **4**

12. निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिएः

(क) अभिज्ञानशाकुन्तलम् कितने अंको में आबद्ध है? **1**

(i)तीन (ii)सात (iii)पांच (iv)चार

(ख) 'शिवास्ते पन्थानः सन्तु' यह कथन किसका है? **1**

(i)गौतमी (ii)काश्यप का

(iii)प्रियंवदा का (iv)अनुसूया का

13. अधोलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों में संस्कृत में निबन्ध लिखिएः **10**

(i) सत्सङ्गति
(ii) पर्यावरणीय चिन्तनम्
(iii) संस्कृति भाषायाः महत्वम्
(iv) विद्याधनम् सर्वधनप्रधानम्

14. 'उपमा' अलंकार को हिन्दी अथवा संस्कृत में परिभाषित कीजिए। **2**

अथवा

'रूपक' अलंकार का उदाहरण संस्कृत में लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किन्ही चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिएः **8**

(i) शिव को नमस्कार है।
(ii) गंगा हिमालय से निकलती है।
(iii) अशोक वृक्ष से उतरता है।
(iv) मुझे लड्डू अच्छा लगता है।
(v) कवियों में कालिदास श्रेष्ठ है।
(vi) ईश्वर में भक्ति रखना चाहिए।

16. (क) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में विभक्ति सम्बन्धी नियम निर्देश का उल्लेख कीजिए। **2**

(i) बालकाः गृहात् आगच्छन्ति।
(ii) विप्राय धनं ददाति।
(iii) दुष्टः सज्जनाय द्रश्यति।

(ख) ''सरोवरे कमलानि विकसन्ति'' में रेखांकित पद में कौन सी विभक्ति है। **1**

(i)सप्तमी (ii)चतुर्थी (iii)षष्ठी (iv)पंचमी

17. (क) निम्नलिखित समस्त–पदों में से किसी एक पद का विग्रह कीजिएः **2**

(i)उपकृष्णम् (ii)निर्मक्षिकम् (iii)त्रिलोकी

(ख) 'अधिहरि' में प्रयुक्त समास का नाम है।

(i) अव्ययीभाव

(ii) कर्मधारय

(iii) द्वन्दः

(iv) बहुब्रीहि

18. (अ) 'सत्कार' का सन्धि विधायक सूत्र लिखिए। 2

(आ) 'वागीशः' का सन्धि विच्छेद है: 1

(i) वाग् +ईशः

(ii) वाक्+ईशः

(iii) वा+गीशः

(iv) वाक्+इशः

19. (अ) ''वारिणे''पद '.वारि' प्रतिपदिक के किस विभक्ति एवं किस वचन का रूप है। 2

(आ) जगतः पद में कौन सी विभक्ति एवं वचन है: 1

(i) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(ii) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन

(iii) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(iv) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

20. (अ) 'लभामहे' किस पुरूष एवं वचन में प्रयुक्त है। 2

(आ) ''भाष'' धातु के लट् लकार प्रथम पुरूष एकवचन का रूप होगाः 1

(i)भाषते (ii)भाषाते

(iii)भाषति (iv)भषति

21. (अ) दानम् पद में प्रकृति एवं प्रत्यय लिखिएः

(आ) 'पच्' धातु में ण्वुल प्रत्यय लगने पर शब्द बनेगाः 2

(i)पाचकः (ii)पावकः (iii)पाकः (iv)पाचः 1

22. अधोलिखित वाक्यों में सें किसी एक का वाच्य परिवर्तन कीजिएः 2

(i) मनीषा पत्रं लिखति।

(ii) त्वया हस्यते।

(iii) बालकः धावति।